तल्या वाड़ी उपर वृष पीए माली छाप मंजारा लिरिक्स

तल्या वाड़ी उपर वृष पीए,
माली छाप मंजारा,
फूलों री बंदी है वासना,
लोक तीन सुधारया,
असत कूड़ कम बोलिए,
संतो लेवो विचारा,
ठालो ठालो कुओ जल सही है,
नित भरे पणिहारी।bd।

तल्या कुंभारी उपर चाकलो,
सोही मैं भमते ने भालयो,
मृगले ने बांध्यो बारने,
सामो पारादे बंधानों,
असत कूड़ कम बोलिए,
संतो लेवो विचारा,
ठालो ठालो कुओ जल सही है,
नित भरे पणिहारी।bd।

नदियों रा नीर संतो खल हल्या,
पाणी पर्वत चढियो,
कीड़ी कहे मेरे मुख में,
गज हस्ती समाया,
असत कूड़ कम बोलिए,
संतो लेवो विचारा,
ठालो ठालो कुओ जल सही है,
नित भरे पणिहारी।bd।

कहे गोरख सुन बालका,
वाणी अमृत बोले,
ईए वाणी रो कोई सत गुण ले,
संत बड़ो ब्रह्मज्ञानी,
असत कूड़ कम बोलिए,
संतो लेवो विचारा,
ठालो ठालो कुओ जल सही है,
नित भरे पणिहारी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तल्या वाड़ी उपर वृष पीए,
माली छाप मंजारा,
फूलों री बंदी है वासना,
लोक तीन सुधारया,
असत कूड़ कम बोलिए,
संतो लेवो विचारा,
ठालो ठालो कुओ जल सही है,
नित भरे पणिहारी।bd।

Singer & Upload – Vikram Barmeri
8302031687

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com